पंचम अध्याय

सारांश,सिफारिशें और सुझाव

5.1 परिचय

यह समापन अध्याय पाँच खंडों में विभाजित है। खंड । में अध्ययन की पृष्ठभूमि शामिल है। और खंड ॥ राय मापनी के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों और अभिभावकों के प्रश्नावली के दृष्टिकोण के अध्ययन के निष्कर्षों का सारांश प्रस्तुत करता है। खंड ॥। शैक्षिक निहितार्थों को इंगित करता है और सुधार के लिए सुझावों पर प्रकाश डालता है। खंड ।V आगे के शोध के लिए सुझाव देता है और अध्ययन के योगदान को सूचीबद्ध करता है। और खंड V अध्ययन का समापन करता है। वर्तमान अध्ययन में ऑनलाइन शिक्षण सीखने के प्रति विद्यार्थियों , शिक्षकों और अभिभावकों के दृष्टिकोण का पता लगाने का प्रयास किया गया है। आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से कुल नमूने पर राय मापनी के माध्यम से डेटा एकत्र किया गया था। निष्कर्षों का सारांश निम्नलिखित अनुभागों में दिया गया है।

अध्ययन की पृष्ठभूमि

अध्ययन में कुल 180 नमूनों की प्रतिक्रियाएं शामिल थीं, जिनमें भोपाल शहर के दो सरकारी और दो निजी स्कूल के 40-40 विद्यार्थी ,10-10 शिक्षक और 40-40 अभिभावक शामिल थे। छात्रों की उम्र 12-16 साल के बीच थी। प्रथम श्रेणी में सरकारी स्कूल के 40 तथा निजी स्कूल के 40 विद्यार्थी थे। दूसरी श्रेणी में सरकारी स्कूलों के 10 और निजी स्कूलों के 10 शिक्षक थे। तीसरी श्रेणी में सरकारी स्कूलों के 40 और निजी स्कूल के 40 विद्यार्थियों के अभिभावक थे।

5.2 निष्कर्षों का सारांश

राय मापनी के साथ ऑनलाइन शिक्षण सीखने के प्रति विद्यार्थियों , शिक्षकों और अभिभावकों के दृष्टिकोण के निष्कर्षों के सारांश से पता चलता है कि ऑनलाइन शिक्षण सीखने के माहौल के प्रति छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों का सकारात्मक दृष्टिकोण है। हालाँकि, महामारी के बाद की अवधि के लिए भी वे पारंपरिक कक्षा वातावरण को प्राथमिकता देते हैं।

5.2.1 समस्या का विवरण

महामारी की स्थिति के बाद और संबंधित पहलुओं में ऑनलाइन शिक्षण सीखने की प्रक्रिया के महत्व को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान जांच ऑनलाइन शिक्षण सीखने के प्रति विद्यार्थियों , शिक्षकों और अभिभावकों के दृष्टिकोण पर केंद्रित है।

5.2.2 शामिल चर

स्वतंत्र चर पूर्ववर्ती स्थितियां हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे एक आश्रित चर को प्रभावित करते हैं। वर्तमान अध्ययन के लिए निम्नलिखित आश्रित चर और स्वतंत्र चर को अपनाया गया।

• आश्रित चर: ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की राय ।

स्वतंत्र चर: प्रबंधन का प्रकार।

5.2.3 अध्ययन के उद्देश्य

वर्तमान अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया था।जो इस प्रकार से थे -

1 शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों का ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति राय का अध्ययन करना।

2शासकीय विद्यालय में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं का ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति राय का अध्ययन करना।

3. शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों का ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति राय का अध्ययन करना।

4.अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों का ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति राय का अध्ययन करना।

5.अशासकीय विद्यालय में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं का ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति राय का अध्ययन करना ।

6. अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों का ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति राय का अध्ययन करना।

5.2.4 अध्ययन की परिकल्पनाएँ

विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति उनके जनसांख्यिकीय जैसे संस्था के प्रकार और उनके अध्ययन के समूहों के बीच कोई मूल अंतर नहीं है।

5.2.5 अध्ययन के लिए नमूना

नमूना विधि में जानकारी जनसंख्या के केवल एक भाग से प्राप्त की जाती है और इसके आधार पर संपूर्ण जनसंख्या के लिए निष्कर्ष निकाला जाता है। इस प्रकार नमूनाकरण भोपाल शहर के हिस्से का अध्ययन है। कुछ आबादी इतनी बड़ी है कि उनका अध्ययन समय, धन और प्रयास और जनशक्ति के मामले में महंगा होगा। नमूनाकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वाराअपेक्षाकृत छोटी संख्या में व्यक्तियों, वस्तुओं या घटनाओं के माप का चयन और विश्लेषण उस संपूर्ण जनसंख्या के बारे में कुछ पता लगाने के लिए किया जाता है।

अध्ययन को व्यावहारिक बनाने के लिए इस सर्वेक्षण अनुसंधान के लिए नमूना आकार दो सरकारी और दो निजी स्कूल के कुल 80 विद्यार्थियों, 20 शिक्षकों और 80 अभिभावकों तक सीमित रखा गया है। नमूनाकरण प्रक्रिया जनसंख्या के अपेक्षाकृत छोटे हिस्से के आधार पर सामान्यीकरण प्रदान करती है जिसे नमूना कहा जाता है। इस अध्ययन में शोधकर्ता ने यादृच्छिक नमूनाकरण विधि का उपयोग किया। जिसमें जनसंख्या की प्रत्येक इकाई को चयनित होने का समान अवसर दिया जाता है।

5.2.6 उपकरण का विवरण

माध्यमिक स्तर एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर ऑनलाइन शिक्षण के प्रति विद्यार्थियों , शिक्षकों और अभिभावकों की राय का पैमाना डॉ.संजय कुमार पंडागले द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के संदर्भ में शोधकर्ता द्वारा स्वयं तैयार किया गया है।

5.3 स्कोरिंग

शोधकर्ता ने राय मापनी द्वारा माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों, शिक्षक - शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों के स्कोर की गणना की। इसके बाद शोधकर्ता द्वारा प्रतिशत की गणना मैन्युअल रूप से की गई।

5.4 शैक्षिक निहितार्थ

यह खंड न केवल सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के अध्ययन के निष्कर्षों से शैक्षिक निहितार्थों पर प्रकाश डालता है बल्कि सुधार के संभावित कदम भी सुझाता है। अध्ययन में उनके विभिन्न प्रकार के प्रबंधन के साथ-साथ क्षेत्रीय भिन्नता के संदर्भ में सामान्य स्थिति में सभी के अभिमत की वर्तमान वास्तविकताओं के बारे में कई निष्कर्ष सामने आये , विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक तीनों ही वर्चुअल मोड के माध्यम से सीखने में भारी रुचि दिखाते हैं और इसकी प्रासंगिकता और क्षमता से पूरी तरह परिचित हैं। हालाँकि, उसी समय छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने निरंतरता में ऑनलाइन शिक्षण सीखने के माहौल में अपनी रुचि की कमी का संकेत दिया।

5.5 अध्ययन का योगदान

1. ऑनलाइन शिक्षण शिक्षण के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को मापने के लिए एक राय मापनी का विकास।

2. ऑनलाइन शिक्षण शिक्षण के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण को मापने के लिए एक राय मापनी का विकास।

3. ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति माता-पिता के दृष्टिकोण को मापने के लिए एक राय मापनी का विकास।

4. ऑनलाइन शिक्षण अधिगम समस्याओं की पहचान।

5. ऑनलाइन माध्यम से शिक्षार्थी आधारित समस्याओं की पहचान।

सीखना अध्ययन फीडबैक प्रदान करता है जो इसमें मदद कर सकता है:

1. ऐसे शिक्षक मुद्दों के बारे में नई अंतर्दृष्टि और धारणा प्रकट करते हैं।

2.ऑनलाइन माध्यम से छात्रों की बातचीत, उनकी ज़रूरतें और अपेक्षाएँ सीखना।

3. शिक्षण अधिगम के आभासी तरीके के माध्यम से प्रभावशीलता और दक्षता दोनों का व्यवस्थित मूल्यांकन करें।

5.6 आगे के शोध के लिए सुझाव

किसी भी अनुभवजन्य शोध को विशेषकर व्यवहार विज्ञान में पूर्ण नहीं कहा जा सकता। हर बार कोई किसी तरह तथ्यों या संबंधों का पता लगाने की कोशिश करता है: तो जाहिर है कि निष्कर्ष, उद्देश्यपूर्ण और विश्वसनीय प्रतीत हो सकते हैं, केवल उस आबादी पर ही लागू होते हैं। इसलिए, व्यवहार विज्ञान में, अधिक व्यापक और सामान्यीकरण तक पहुंचने के लिए विभिन्न नमूनों पर प्रतिकृति अध्ययन आवश्यक हैं। प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर, यह पाया गया कि मनोवैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए अनुसार सीखने और सिखाने के मामलों में दृष्टिकोण महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है।इसलिए यह अनुशंसा की जाती है कि न केवल उत्तर पूर्व के अन्य राज्यों में ऑनलाइन शिक्षण झुकाव प्रक्रिया में एक कारक के योगदान पर अधिक केंद्रित शोध किया जाए।

1. इसी तरह का अध्ययन पूरे देश में किया जा सकता है.

2.औपचारिक शिक्षा के विभिन्न चरणों पर विद्यार्थियों की राय का एक समान अध्ययन आयोजित किया जा सकता है।

3. औपचारिक शिक्षा के विभिन्न चरणों पर शिक्षकों और अभिभावकों की राय का अध्ययन किया जा सकता है।

5.7 निष्कर्ष

हाल के वर्षों में, स्कूल में शिक्षकों की भूमिका चुनौतीपूर्ण हो गई है क्योंकि उन्हें न केवल अद्यतन पाठ्यक्रम को चित्रित करना है, बल्कि तकनीकी युग के लिए और भविष्य के नागरिकों के रूप में छात्रों को सर्वांगीण विकास के साथ ढालने के लिए उनकी भावनात्मक जरूरतों का भी ध्यान रखना है। इसलिए "टेक्नोफाइल" बनने और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है और कोविड-19 अवधि के दौरान, स्कूल नहीं खुलने के कारण छात्र घर पर आराम कर रहे थे और सक्रिय रूप से कक्षाओं में भाग ले रहे थे। भारत सरकार ने भी ऑनलाइन शिक्षण कक्षाओं का समर्थन किया है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में यह पाया गया है कि सभी छात्र ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीखने में रुचि रखते हैं। अंतर्मुखी छात्रों के बीच भी अच्छी बातचीत होती है क्योंकि वे घर में एक बहुत ही आरामदायक जगह पर बैठे थे और सभी अध्ययन सामग्री उनके हाथ में थी। इस अध्ययन में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का ऑनलाइन शिक्षण सीखने के प्रति दृष्टिकोण, कोविड-19 स्थिति में उनकी रुचि का निष्कर्ष निकाल रहा था।

ऑनलाइन शिक्षण कक्षा शिक्षण शिक्षण का विकल्प नहीं है; यह कैंपस जीवन के नियमित मोड में फ़ील्डट्रिप्स के दृश्य अनुभव और शैक्षणिक गतिविधियों के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को नहीं कर सकता है। शिक्षकों को तनाव के उन महत्वपूर्ण कारणों को पहचानना चाहिए जिनसे छात्र महामारी के उस महत्वपूर्ण समय के दौरान निपट रहे थे और उनकी वेब-आधारित शिक्षा के लिए ऑनलाइन कक्षाओं में एक सहायक और शांत शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए काम किया गया। शिक्षकों को, छात्रों को उनकी मनोवैज्ञानिक मनोदशा के अनुरूप ढलने में सहायता करने के लिए उन्हें ऑनलाइन संसाधनों और व्यक्तिगत मार्गदर्शन का लाभ दिलाना चाहिए।

कोविड-19 संकट के दौरान शैक्षिक सेटिंग में ऑनलाइन शिक्षण-शिक्षण प्रक्रिया की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण थी। विद्यार्थी और शिक्षक शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में सहायता के लिए विभिन्न तरीकों से ऑनलाइन शिक्षण घटकों का उपयोग कर सकते हैं। जबकि COVID-19 संकट ऑनलाइन शिक्षण-शिक्षण प्रक्रिया शिक्षकों को छात्रों की समग्र दक्षता में सुधार करने में मदद करती थी। ऐसी गंभीर स्थिति में भी शिक्षण पेशे की सफलता के लिए यह एक सकारात्मक झटका था। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन सीखने के प्रति छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों का दृष्टिकोण सकारात्मक था।

इस अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि छात्र, शिक्षक और अभिभावक का अपनी शिक्षा प्रणालियों को वर्तमान कक्षा के आमने-सामने के तरीकों से शिक्षण-अधिगम में सफलतापूर्वक बदलने के लिए ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। शिक्षक शिक्षा के प्रमुख हितधारक हैं और ऑनलाइन शिक्षण को अपनाने के प्रति उनका दृष्टिकोण भी ई-लर्निंग के प्रति छात्रों के दृष्टिकोण निर्माण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।